530

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–23)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**GSM (M-I)-2423**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Gaurav Chhimwal **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** ____________

Center & Date: 7 Sep 2024 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 8500880

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction **Proficiency** (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (**भाषा/प्रवाह**)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation **Proficiency** (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. भारत उच्च व्यापार घाटे की चुनौती का सामना कर रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

The challenge of a high trade deficit haunts India. Analyze its impact on the Indian economy. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत का कुल व्यापार घाटा 238 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। यह स्पष्ट करता है कि भारत उच्च व्यापार घाटे की चुनौती का सामना कर रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

(1) विदेशी मुद्रा भंडार में कमी।

(2) भारत के निर्यातों में कमी।
उदा॰ भारत की वैश्विक निर्यात में केवल 2.1% भागीदारी है।

(3) भारत में विनिर्माण क्षेत्र का हतोत्साहित होना। (केवल GDP के 16-17% तक भागीदारी)।

(4) वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी का न होना।

(5) विदेशी देशों पर निर्भरता।
उदा॰ चीन पर API के लिए।

drishti | दृष्टि The Vision

(6) विदेशी निवेश भी हतोत्साहित होता है।

(7) रोजगार की कमी।

भारत के व्यापार घाटे के कारण –

(1) 85% ऊर्जा आपूर्ति आयात के द्वारा।

उदा० रूस, सऊदी अरब से कच्चे तेल का आयात,

(2) सेमीकंडक्टर हेतु चीन, ताइवान पर निर्भरता।

(3) भारत में विनिर्माण क्षेत्र का पूर्णतः विकसित न हो पाना।

(4) APIs के लिए चीन पर निर्भरता, इत्यादि।

(5) बड़े पैमाने पर स्वर्ण आयात।

सरकार के प्रयास

- वैश्विक विदेश व्यापार नीति 2023
- मेक इन इंडिया + असेंबल इन इंडिया
- सल्क्रीप इलेक्ट्रॉनिक नीति 2019
- इथेनॉल ब्लेंडिंग + ऊर्जा संक्रमण
- सेमीकॉन इंडिया।

व्यापार घाटे पर नियंत्रण वर्तमान की प्रमुख आवश्यकता है ताकि भारत वर्ष 2047 तक एक विकसित देश के रूप में स्थापित हो पायेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

2. अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना ने भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में कायाकल्प की संभावना को प्रकट किया था; हालाँकि वास्तविक तस्वीर निराशाजनक दिखती है। टिप्पणी कीजिये।

(150 शब्द) 10

The foundation of Anusandhan National Research Foundation promised an overhaul in the field of research, innovation and entrepreneurship in Indian universities; however, the real picture looks gloomy. Comment.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नई शिक्षा नीति के तहत नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई ताकि देश में नवाचार तथा उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सके।

भारत की हालिया स्थिति

(1) वैश्विक बौद्धिक संपदा सूचकांक 2023 में भारत का ४२वाँ स्थान।

(२) पेटेंट आवेदन की प्रक्रिया जटिल तथा विलंबकारी

(3) पेटेंटों की प्रकृति का नवाचारी न होना,

(4) नवाचारी परिवेश निर्माण में महिलाओं की भागीदारी न होना,
उदा० - टॉप २० स्टार्टअप में केवल 3 में महिलाओं का होना।

(5) इंडस्ट्री - अकेडमिया लिंक का न होना,

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(6) अनुसंधान एवं विकास पर होने वाला खर्च इस प्रकार है –

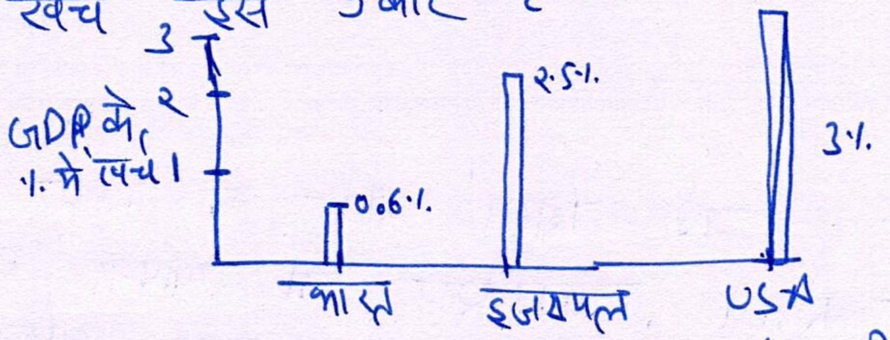

इस तरह यह स्पष्ट है कि भारत में अनुसंधान, नवाचार तथा उद्यमिता के क्षेत्र में कुछ स्थितियां खास नहीं बदली हैं।

सरकार के प्रयास

- स्टार्टअप इंडिया।
- शिक्षा के बजट को बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता
- नेशनल नॉलेज नेटवर्क।
- IPR नीति 2016।
- स्टैंडअप इंडिया।

स्पष्ट है कि नवाचार ही विकास का आधार है अतः इस दिशा में भगीरथ प्रयासों की आवश्यकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

3. राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं और इससे भारत के निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण पर किस प्रकार का प्रभाव प्रत्याशित है? (150 शब्द) 10

What are the key objectives of the National Green Hydrogen Mission, and how is it expected to impact India's transition to a low-carbon economy? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा देने हेतु वर्ष 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन लाया गया।

प्रमुख उधेश्य →
- वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 5MMT हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करना
- 100 मिलियन अतिरिक्त रोजगार का सृजन।

प्रमुख घटक
- SIGHT
- SHIP [रणनीतिक हाइड्रोजन इनोवेशन पार्टनरशिप)
- ग्रीन हाइड्रोजन हब का निर्माण

ऊर्जा संक्रमण पर प्रभाव -

(1) भारत पंचामृत प्रतिबद्धताओं जैसे वर्ष 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बढ़ेगा।

(2) भारत के ऊर्जा आयातों में कमी आएगी।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3) गैर जीवाश्मीय ईंधन के उपयोग से पर्यावरण प्रदूषण की समस्या का समाधान होगा।

(4) इंडस्ट्री का डीकार्बोनाइजेशन संभव होगा।

(5) भारत एक पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार देश के रूप में स्थापित होगा।

चुनौतियां
- उच्च तकनीक की आवश्यकता
- हाइड्रोजन ऊर्जा के संदर्भ में अभी तक पर्याप्त शोध नहीं हुए हैं,
- प्रशिक्षित मानव संसाधन का अभाव
- उच्च लागत
- भारत की उच्च विकासात्मक आकांक्षाएं जैसे गरीबी उन्मूलन इत्यादि।

ग्रीन हाइड्रोजन मिशन भारत में ऊर्जा संक्रमण को एक दिशा दिखाने में समर्थ है हालांकि इसके साथ सौर तथा पवन ऊर्जा इत्यादि में भी पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत में कोयला क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है परंतु यह अभी भी सभी समस्याओं से मुक्त नहीं है। टिप्पणी कीजिये।

(150 शब्द) 10

Coal sector in India has shown great improvements but it is still not free from all problems. Comment.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 55% कोयले से प्राप्त करता है। हालांकि इस संदर्भ में भारत कोयले का आयात भी करता है।

कोयला क्षेत्र में हुए सुधार →

(1) नई खदानों के लाइसेंसिंग नियमों में पारदर्शिता।
(2) पर्यावरण के प्रति अनुकूल तकनीकों का प्रयोग।
(3) विकसित देशों के साथ सहयोग।
(4) भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशों में कोयले की खदानों का अधिग्रहण।
(5) ऊर्जा कोयले की मांग तथा आपूर्ति में एक साम्य स्थापित करने हेतु कोयला नियंत्रक के कार्यालय की स्थापना।
(6) कोयले की खदानों में निजी क्षेत्र को अनुमति।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कुछ समस्याएं बनी हुई हैं -

(1) आयात पर निर्भरता।
उदा. ऑस्ट्रेलिया कोयला का भारत में आयात,
(2) हाल ही में कोयले की आपूर्ति में व्यापक कमी देखी गई।
(3) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या।
(4) भारत के तापीय विद्युत केंद्र अभी भी कोयले पर ही निर्भर हैं।
(5) उन्नत तकनीक तक पहुंच का अभाव इत्यादि।
(6) कोयला खनन में मजदूरों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं।

इस तरह यह स्पष्ट है कि भारत को कोयला क्षेत्र में व्यापक सुधारों को बढ़ावा देने के साथ-साथ ऊर्जा संक्रमण पर बल देने की आवश्यकता है।

5. कारखानों में दुर्घटनाओं में वृद्धि गंभीर चिंता का विषय है। स्पष्ट कीजिये कि निरीक्षण से संबंधित मुद्दों ने किस प्रकार इस समस्या को बढ़ाया है एवं स्थिति से निपटने के लिये कुछ प्रभावी उपाय संबंधी सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

The increase in the incidence of factory accidents raises serious concerns. Explain how issues related to inspection have contributed to the problem and suggest some effective measures to handle the situation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कारखानों में दुर्घटना से संबंधित मामलों में कमी नहीं देखी जा रही है पिछले एक दशक में औद्योगिक दुर्घटनाओं से 259 लोगों की मौत हुई है। उदा० – भोपाल गैस त्रासदी
- कोरबा में NTPC के बॉयलर में विस्फोट।
- सूरत के गेमिंग जोन में आग लगना।

कारण –
- पर्याप्त सेफ्टी मानदंडों को पूरा न करना।
- प्रशासनिक शिथिलता तथा भ्रष्टाचार
- उद्योगपतियों में जिम्मेदारी का अभाव
- मजदूर संगठनों तथा मजदूरों में जागरूकता का अभाव।
- पुरानी तकनीकों पर निर्भरता।
- प्रभावी रूप से कारखाना अधिनियम जैसे कानूनों का अनुपालन न करना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रभाव

- मजदूरों की मृत्यु तथा विकलांगता।
- कंपनी की साख प्रभावित होना।
- EoDB का प्रभावित होना।
- भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि खराब होना।
- उद्योगों की उत्तरदायित्व हीनता का प्रदर्शन।

उपाय

- पर्याप्त सेफ्टी मानकों का अनुपालन।
- प्रशासनिक अधिकारियों का प्रशिक्षण।
- कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करवाना **उदा०** - समान पारिस्थितिक कानून, कारखाना अधि० इत्यादि।
- पर्याप्त रक्षोपायों की व्यवस्था।
- सरकार द्वारा तकनीकी उन्नयन हेतु उद्योगों की सहायता।
- नो मैंस लैंड जैसी संकल्पनाओं का उपयोग।

इस प्रकार कारखानों में होने वाली दुर्घटना से बचा जा सकता है और कार्मिकों का कल्याण, आजीविका का अधिकार सुनिश्चित किया जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

6. सीमित संसाधनों वाले विश्व में वैश्वीकरण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी परस्पर संबंधित हैं। भारत के विशेष संदर्भ में स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Globalization and emerging technology are interconnected in a resource-limited world. Elucidate with special reference to India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत जैसे विकासशील देशों में विकास के लिए पर्याप्त संसाधन तथा तकनीकी का अभाव या कमी है। यही कारण है कि भारत जैसे विकासशील देश वैश्वीकरण के लाभों पर जोर देते हैं।

वैश्वीकरण तथा उभरती प्रौद्योगिकी में संबंध और उसका भारत को लाभ →

(1) वैश्वीकरण के तहत बाजारों का उदारीकरण किया जाता है परिणामस्वरूप पूंजी के साथ तकनीक का भी विकासशील देशों में आगमन सुनिश्चित होता है।

उदा० वर्ष 2021-22 में भारत ने 83 बिलियन $ के विदेशी निवेश को आकर्षित किया।

(२) बाहरी देशों से आने वाला FDI

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तकनीक के साथ-साथ प्रबंधकीय कौशल को भी बढ़ावा देता है।
उदा० - कारपोरेट गवर्नेंस की प्रथाएं।

(3) FPI का स्तर भी वैश्वीकरण की प्रक्रिया के बाद बढ़ा है जो वित्त बाजार में तरलता को बनाये रखने के साथ-साथ घरेलू निवेशकों को निवेश से सृजित होने का अवसर देता है।

(4) चुनौतियां
→ अन्य देशों की अर्थव्यवस्था के साथ भारत की अर्थव्यवस्था का कपल्ड होना → वैश्विक संकटों के प्रति सुभेद्य।
→ घरेलू बचत पर जोर न देना।
→ विकसित देशों द्वारा तकनीक के उदारीकरण पर बल न देना
→ भारत का उच्च व्यापार घाटा (238 bn $)

हालांकि सीमित संसाधन वाले देशों के लिए वैश्वीकरण, तकनीक तक पहुंच को सुनिश्चित करता है लेकिन इस संदर्भ में घरेलू R&D, बचत को बढ़ावा जैसे हस्तक्षेप भी करने चाहिए।

7. भारत में कृषि वस्तुओं का एक बड़ा वैश्विक निर्यातक बनने की अपार संभावनाएँ हैं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

India has tremendous potential in becoming a large global exporter in agricultural commodities. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2022-23 में भारत द्वारा किया गया कुल कृषि निर्यात 53 bn $ का था, भारत इस कृषि से विश्व में 8 वाँ स्थान रखता है। (वाणिज्य मंत्रालय)

कृषि वस्तुओं के निर्यात की संभावनाएँ

(1) भारत में 60 में से 46 प्रकार की मृदा पायी जाती है।

(2) 20 एग्रो क्लाइमेटिक जोन की उपस्थित

(3) गेहूँ, चावल इत्यादि का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक।

(4) फल-सब्जी, गन्ना का सबसे बड़ा दूध उत्पादक।

(5) भारत में विश्व का सबसे बड़ा पशुधन (संख्या) आकार है।

(6) भारत में जैविक खेती करने वाले सबसे अधिक किसान रहते हैं।

(7) एक सुव्यवस्थित FPI की उपस्थिति जो कि कुल निर्यात में बेहतरीन भागीदारी करती है।

drishti दृष्टि The Vision

(8) भारत मत्स्य उत्पादन में विश्व में दूसरा ~~तीसरा~~ स्थान रखता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चुनौतियां

- कृषि निर्यात की बास्केट में विविधीकरण तथा मूल्य संवर्धित वस्तुओं का अभाव,
- यूरोपीय देशों के SPS मानदंडों को पूरा न कर पाना
- भंडारण क्षमता की कमी तथा कृषि अनुसंधान पर भारत की कम खर्च (कृषि GDP का 0.3%)
- टैरिफ तथा गैर टैरिफ बाधाएं,
- पशुधन की उच्च गुणवत्ता का न होना, किसानों में जागरूकता का अभाव इत्यादि।

प्रयास

- कृषि निर्यात नीति 2018
- APEDA की निर्यात प्रोत्साहन की नीति
- वर्ष 2030 तक 100 bn $ निर्यात का लक्ष्य, इत्यादि,

इस तरह यह स्पष्ट है कि भारत में कृषि निर्यात की बेहतर संभावना है तथा सरकार इस दिशा में प्रयास रत है।

drishti | दृष्टि The Vision

8. संवहनीय कृषि पद्धतियों के संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the significance of soil health in the context of sustainable agricultural practices. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संवहनीय कृषि पद्धतियों का तात्पर्य है कि ऐसी कृषि पद्धतियाँ जो मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य इत्यादि को प्राथमिकता देते हुए फसल उत्पादन करती है।

संवहनीय कृषि पद्धतियाँ →
- जीरो बजट नेचुरल फार्मिंग
- जैविक खेती
- प्रीसिजन फार्मिंग (परिशुद्ध कृषि)
- इंटीग्रेटेड फार्मिंग (एकीकृत कृषि)
- कार्बन फार्मिंग, इत्यादि।

संवहनीय कृषि पद्धतियों के संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य का महत्व

(1) रासायनिक आगतें हतोत्साहित होती हैं परिणामतः मृदा संरक्षण प्रभावी।
(2) मृदा की उर्वरता बनी रहती है।
(3) इंटीग्रेटेड फार्मिंग में संसाधनों का पुनर्चक्रण सुनिश्चित होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4) ZBNF में मल्चिंग जैसी पद्धतियाँ मृदा की नमी को सुरक्षित रखती है।

(5) कार्बन फार्मिंग मृदा में कार्बन पृथक्करण को संभव बनाती है।

(6) मृदा प्रदूषण की समस्या पैदा नहीं होती है।

(7) अन्य लाभ
- → लागत में कमी ①
- → उत्पादकता में वृद्धि।
- → संसाधनों का लक्षित तथा दक्ष उपयोग
- → भौम जल प्रदूषण नहीं होता
- ↓ समग्र मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से अनुकूल

सरकारी प्रयास
- → भारत प्राकृतिक कृषि पद्धति योजना,
- → राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन
- → परंपरागत कृषि विकास योजना
- → जैविक खेती वेब पोर्टल
- → पार्टिसिपेटरी गारंटी स्कीम
- ↓ नीम कोटेड यूरिया इत्यादि।

कुल मिलाकर संवहनीय कृषि पद्धतियाँ मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य तीनों की दृष्टि से लाभकारी हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

9. लाभों, चुनौतियों एवं पर्यावरणीय प्रभावों के संदर्भ में अपतटीय और तटीय पवन ऊर्जा की तुलना कीजिये। (150 शब्द) 10

Compare and contrast offshore and onshore wind energy in terms of their benefits, challenges, and environmental impacts. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत पवन ऊर्जा की दृष्टि से विश्व में चौथा स्थान रखता है तथा इस क्षेत्र की क्षमता वर्तमान में 45 GW है। (नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय)

पवन ऊर्जा के लाभ -

(1) ऊर्जा का एक नवीकरणीय तथा स्वच्छ स्वरूप।
(2) भारत में इसकी अपार क्षमता है।
(3) किसानों को आजीविका का एक अन्य अवसर दे सकता है।
(4) ऊर्जा संक्रमण की दृष्टि से उपयोगी है।
(5) भारत की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं जैसे कि पंचामृत लक्ष्य, NDC इत्यादि को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

चुनौतियाँ तथा पर्यावरणीय प्रभावों के संदर्भ में अपतटीय तथा तटीय पवन ऊर्जा की तुलना -

drishti | दृष्टि The Vision

अपतटीय	तटीय
(1) ये पवन ऊर्जा प्लांट तटों से दूर होते हैं अर्थात् समुद्र में स्थापित	(1) ये तटों पर स्थापित किये जाते हैं अर्थात् भूमि पर।
लाभ → भूमि की आवश्यकता नहीं। → पवनों का वेग तीव्र	**लाभ** → उच्च तकनीकी की आवश्यकता कम। → पर्यावरण हितैषी।
चुनौतियाँ	**चुनौतियाँ**
(1) पर्यावरणीय प्रभाव जैसे कि जीव विविधता को नुकसान।	(1) भूमि अधिग्रहण की समस्या
(2) उच्च लागत तथा तकनीक की आवश्यकता	(2) निवेश की उच्च लागत, इत्यादि।
(3) बड़ी मात्रा में निवेश की आवश्यकता	

सरकार पवन ऊर्जा नीति, हाइब्रिड ऊर्जा नीति के तहत इस क्षेत्र में सक्रिय है ताकि स्वच्छ, सतत, हरित तथा समावेशी अर्थव्यवस्था स्थापित हो सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

10. एक सुपरिभाषित राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यनीति (NSS) समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में किस प्रकार योगदान दे सकती है? भारत के लिये एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यनीति के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

How can a well-defined National Security Strategy (NSS) contribute to addressing contemporary security challenges? Discuss the significance of having a comprehensive National Security Strategy (NSS) for India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यनीति का तात्पर्य है देश की सुरक्षात्मक चुनौतियों की स्पष्ट पहचान कर उनसे निपटने हेतु पर्याप्त समाधानों की रूपरेखा को तय करना। यह किसी भी देश की सुरक्षा - एकता तथा अखंडता की दृष्टि से महत्व रखती है।

भारत के लिए एक व्यापक सुरक्षा नीति का महत्व-

(1) व्यापक बाहरी सुरक्षा खतरों तथा आंतरिक चुनौतियों की स्पष्ट पहचान,

खतरे

आंतरिक
- नक्सलवाद
- अलगाववाद

बाहरी
- सीमा पार आतंकवाद
- अवैध प्रवसन

(2) इन चुनौतियों से निपटने हेतु संसाधनों, एजेंसियों इत्यादि का स्पष्ट कार्यक्षेत्र

drishti | दृष्टि The Vision

निर्धारित करना।

(3) समकालीन नये सुरक्षा खतरों जैसे कि साईबर सुरक्षा इत्यादि से निपटने के प्रयासों को रेखांकित करना।

(4) संसाधनों तथा ऊर्जा के दोहराव से बचा जा सकता है।

(5) देश की सुरक्षा बेहतर तरीके से संपन्न हो सकती है।

(6) सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट निर्देशन प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका।

(7) क्षमताओं का पूर्ण रूप से उपयोग।

इस तरह एक राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यनीति भारत जैसे देशों जो कि 'टू फ्रंट वॉर' का की खतरा रखते हैं, के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जो कि सुरक्षा बलों, एजेंसियों को स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

11. विश्व के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में से एक होने के बावजूद, कृषि निर्यात के मामले में भारत का श्रेणीक्रम निम्न है। इस संदर्भ में, भारत में फसलोपरांत हानियों की समस्या पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि विकास के समक्ष विद्यमान समस्याओं पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite being one of the largest agricultural producers in the world, India ranks much lower in terms of agricultural exports. In this context, address the issues faced in agricultural growth with special focus on the problem of post-harvest losses in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत गेहूँ, चावल इत्यादि खाद्यान्नों का विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है तथा दूध, गन्ना, जूट, दाल इत्यादि का विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक है। किंतु बावजूद इसके कृषि निर्यात में वह वैश्विक रूप से 8 वाँ स्थान रखता है। (53 b$)

भारतीय कृषि विकास के समक्ष विद्यमान चुनौतियाँ →

(1) फसलोपरांत हानियाँ →

भारत में प्रतिवर्ष अनेक टन खाद्यान्न तथा सब्जियाँ बर्बाद होती हैं इसके कारण हैं —

(क) भंडारण क्षमता का अभाव।

उदा॰ भारत के पास केवल 145 MMT भंडारण क्षमता है जबकि उत्पादन 315 MMT होता है। (खाद्यान्न)

(ख) किसानों के पास होल्डिंग क्षमता न होना

उदा॰ - 86% किसान सीमांत तथा लघु प्रकार के।

drishti | दृष्टि The Vision

(ख) बाजार सूचनाओं तक पहुँच का अभाव।

(घ) परिवहन व्यवस्थाओं का उन्नत न होना।

उदा० - लास्ट माइल कनेक्टिविटी का अभाव।

(ङ) क्रॉपिंग पैटर्न में विविधता का न होना।

उदा० → सभी किसान प्रायः एक ही फसल उगाते हैं।

उत्पादन (↑) → कीमत (↓)

खाद्यान्न फसल बर्बाद

(च) ~~RBI की~~ आपदा इत्यादि का प्रभाव।

(2) अन्य चुनौतियाँ

(क) भारत में किसानों के पास औपचारिक वित्त तक पहुँच का अभाव।

उदा० - 28% किसान साहूकारों पर निर्भर (RBI)

(ख) 86% किसान लघु तथा सीमांत प्रकार के हैं → कृषि का आधुनिकीकरण (↓)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(ग) भूमि सुधारों का विफल होना,
उच्च लगान ← काश्तकारी में स्थापित रही। → हदबंदी का विफल होना,
उदा० 56% ग्रामीण परिवार भूमिहीन हैं।

(घ) MSP का लाभ केवल 6% किसानों को

(ङ) सब्सिडीयों का अविवेकीकरण।

(च) कृषि वस्तुओं का एकीकृत, प्रतिस्पर्धी तथा राष्ट्रीय बाजार न होना।
उदा० APMC की विकृतियां।

सरकार के प्रयास
- कृषि निर्यात नीति 2018
- निर्यात प्रोत्साहन योजना
- फसल बीमा योजना (2016)
- किसान सम्मान निधि।
- कृषि सिंचाई योजना।
- MSP को A2+FL मानक पर ×1.5 गुना करना
- किसान समृद्धि केंद्र + किसान रेल + कृषि उड़ान
- हालिया तीन कृषि कानून
- + e तकनीक ← M किसान एप, कृषि किसान केंद्र, एग्री स्टैक

सारत: यह कहा जा सकता है कि सरकार इस ओर लगातार प्रयासरत है कि वर्ष 2030 तक कृषि वस्तुओं का निर्यात 100 b$ किया जाये।

12. वंचित आबादी तक डिजिटल भुगतान सेवाओं के विस्तार से संबद्ध चुनौतियों का परीक्षण कीजिये और डिजिटलीकरण के माध्यम से वित्तीय समावेशन के संवर्द्धन हेतु कार्यनीतियाँ प्रस्तावित कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the challenges of extending digital payment services to underserved populations and propose strategies to enhance financial inclusion through digitization. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2024 में डिजिटल भुगतान सेवाओं का विस्तार काफी बढ़ गया है कुल लेनदेन का 50% वर्तमान में डिजिटल रूप से किया जा रहा है। (RBI)

वंचित आबादी तक डिजिटल भुगतान सेवाओं के विस्तार संबंधी चुनौतियां।

(1) भारत की 50% आबादी के पास अभी भी सक्रिय इंटरनेट कनेक्शन का अभाव है।

(2) वंचित वर्गों में विशेषकर महिलाओं में 33% महिलाओं के पास ही फोन है।

(3) ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी का अभाव।

(4) भारत में डिजिटल साक्षरता का स्तर मात्र 40% ही है। वंचित वर्गों में इसका स्तर और अधिक है।

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(5) लागत संबंधी चुनौतियाँ,

प्रति व्यक्ति आय कम → डिजिटल फोन) तकनीक वहन करने की क्षमता का न होना।

(6) सरकार की विविध योजनाओं जैसे कि eRuPI, USSD इत्यादि के संदर्भ में जागरूकता का अभाव।

(7) दिव्यांग मुख्य रूप से बधिर तथा नेत्रहीन लोगों के अनुकूल प्रौद्योगिकी का न होना।

सरकार के प्रयास

(1) NPCI का गठन → UPI, ABPS, AEPS, NACH जैसे नवाचार।

(2) PM जन धन योजना वित्तीय समावेशन

(3) RBI द्वारा 'मनी एप' का विकास, नेत्रहीन लोगों के लिए।

(4) USSD अथवा UPI को बधिर लोगों के अनुरूप बनाना। उदा०- वाईब्रेशन का प्रयोग

(5) भारतनेट परियोजना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(6) PM-WANI योजना।
(7) डिजिटल इंडिया प्रोग्राम 2016, इत्यादि।

डिजिटलीकरण के माध्यम से वित्तीय समावेशन हेतु कार्यनीति -

(1) कनेक्टिविटी को बढ़ाना।
(2) इंटरऑपरेबल तकनीक को बढ़ाना।
(3) वित्तीय साक्षरता पर बल।
(4) ऑम्बुड्समैन की व्यवस्था।
(5) वंचित वर्गों के अनुकूल तकनीक का निर्माण कर प्रौद्योगिकी का लोकतांत्रिकरण करना।
(6) नवाचारों के लिए हैकॉथॉन पर बल तथा R&D पर खर्च को बढ़ाना।

इन हस्तक्षेपों से डिजिटलीकरण के लाभों से वंचित वर्गों को भी जोड़ा जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

13. हाल में प्रवाल विरंजन की परिघटनाएँ चिंताजनक स्थिति का संकेत हैं। प्रवाल विरंजन की परिघटना के पश्च में निहित कारणों की व्याख्या कीजिये। इस समस्या से निपटने के क्या उपाय हैं? (250 शब्द) 15

The recent episodes of coral bleaching are signs of an alarming situation. Explain the reasons behind the phenomenon of coral bleaching. What are the ways to tackle this problem? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रवाल एक सूक्ष्म समुद्री जीव है जो कि जूक्सजेंथालाई शैवाल के साथ सहजीवी संबंधों में रहता है। मृत्यु के बाद ये प्रवाल भित्तियों (चट्टानों) में रूपांतरित हो जाते हैं।

प्रवालों तथा भित्तियों का महत्व

- जैव विविधता को बढ़ावा
  - आश्रय, आवास, खाद्य प्रदान करते हैं।
- आपदाओं से रक्षा।
  - उदा० - ग्रेट बैरियर रीफ चक्रवातों से रक्षा
- पर्यटन को बढ़ावा
  - उदा० - स्कूबा डाइविंग
- औषधीय तथा पोषण की दृष्टि से महत्व
- विरंजन के माध्यम से पर्यावरण क्षरण का संकेत प्रदान करते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रवाल विरंजन के कारण

(1) ग्लोबल वार्मिंग - बढ़ते समुद्री तापमान के कारण इनका शैवाल से सहजीवी संबंध टूट जाता है। जिस कारण इनकी मृत्यु हो जाती है।

(2) अनियोजित तथा अनियंत्रित पर्यटन।

(3) समुद्री प्रदूषण में वृद्धि।
- ग्रेट पैसिफिक पैच
- औद्योगिक अपशिष्ट,
- घरेलू अपशिष्ट
- तापीय विद्युत संयंत्रों से छोड़ा जाने वाला अत्यधिक गर्म जल।

(4) अनैतिक तस्करी तथा व्यापार।

(5) असंधारणीय मत्स्यन
- बड़े-बड़े ट्रोलर्स का उपयोग करना,

(6) समुद्री जल के अम्लीकरण की समस्या ने भी प्रवालों में विरंजन को बढ़ावा दिया है।

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निपटने के उपाय -

(1) मरीन संरक्षण केंद्रों का निर्माण,
(2) अपशिष्टों का शुद्धीकरण कर उनका समुद्रों में निपटान करना,
(3) संधारणीय पर्यटन को बढ़ाना,
(4) संधारणीय मत्स्यन को बढ़ावा,
(5) प्रवाल भित्तियों के महत्व को लेकर जागरूकता को बढ़ावा,
(6) बायोरॉक तकनीक के माध्यम से प्रवाल संरक्षण करना,
(7) R+D तथा देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा,

वर्तमान में वैश्विक कोरल रीफ नेटवर्क जैसे हस्तक्षेपों से कोरल रीफ के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है हालांकि और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है,

14. जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार खतरे का सामना कर रहे मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिये हम क्या कदम उठा सकते हैं? इनके संरक्षण के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरंभ की गई कुछ पहलों का भी उल्लेख कीजिये?

(250 शब्द) 15

What steps can we take to protect mangrove ecosystems, which are increasingly threatened by climate change. Also mention some initiatives at national and international level to support their conservation?

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मैंग्रोव उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगने वाला वह पौधा है जो कि नदी तथा समुद्र के मिलन स्थल अर्थात डेल्टाई क्षेत्र तथा ज्वारनदमुखों में पाया जाता है। यह एक लवण सह वनस्पति है। उदा० - अविसीनिया मैंग्रोव, सुंदरी मैंग्रोव।

भारत में मैंग्रोव तथा उसका महत्व

महत्व
- आपदा से सुरक्षा
- जैव विविधता को बढ़ाता
- समुद्री अपशिष्टों को रोकथाम (फिल्टरेशन)
- मृदा अपरदन को रोकता है
- तटीय समुदायों को आजीविका सुरक्षा। उदा० - शहद इत्यादि
- सांस्कृतिक महत्व
- कार्बन सिंक

भारत में मैंग्रोव

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मैंग्रोव पर खतरे →

(1) औद्योगिकरण तथा शहरीकरण के कारण इनका क्षेत्र संकीर्ण होता जाता रहा है।
(2) अपशिष्टों का निपटान,
(3) व्यापक आपदाओं का आगमन,
(4) मैंग्रोव संरक्षण के संबंध में जागरूकता का अभाव,
(5) असंधारणीय पर्यटन
(6) असंधारणीय मत्स्यन

मैंग्रोव की रक्षा हेतु उपाय-

(1) मैंग्रोव संरक्षण रिजर्वों की स्थापना
(2) संधारणीय पर्यटन को बढ़ाना
(3) अपशिष्टों के निपटान हेतु तकनीक का उपयोग
(4) सुदूर संवेदन से मैंग्रोव के क्षेत्र की मैपिंग तथा निगरानी,
(5) जागरूकता को बढ़ाना - मैंग्रोव संरक्षण,

(6) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना।

(7) सतत् तथा नियोजित शहरीकरण को बढ़ाना।

(8) CRZ नियमों का बेहतर पालन।

(9) पर्यावरण संरक्षण अधि० 1986, वन्य जीव संरक्षण अधि० 1972 का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना।

मैंग्रोव संरक्षण हेतु पहलें

राष्ट्रीय

(1) राष्ट्रीय मैंग्रोव समिति 1976

(2) CRZ नियम 2011

(3) EPA अधि० 1986

अंतर्राष्ट्रीय

(1) मैंग्रोव फॉर फ्यूचर कार्यक्रम

(2) रामसर सम्मेलन 1971.

सार यह है कि मैंग्रोव हमारी पारिस्थितिकी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है अतः इनका संरक्षण जरूरी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

15. तकनीकी वस्त्र बाज़ार में भारत की वैश्विक स्थिति को सुदृढ़ करने में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। भारत में इस क्षेत्र के समक्ष कौन-सी प्रमुख चुनौतियाँ विद्यमान हैं? (250 शब्द) 15

Discuss the significance of the National Technical Textiles Mission in enhancing India's global position in the technical textiles market. What are the key challenges faced by this sector in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तकनीकी वस्त्र का तात्पर्य ऐसे वस्त्रों से है जो विशिष्ट क्षेत्रों जैसे कि अस्पताल, अग्निशमन तथा अन्य क्षेत्रों में उपयुक्त किये जाते हैं, उदा०

- PPE किट
- सिलवट रोधी
- अग्निरोधी

] वस्त्र

भारत सरकार ने तकनीकी वस्त्र बाजार में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन प्रारंभ किया है।

महत्व

- R&D को बढ़ावा
- तकनीकी वस्त्र से संबंधित आधारभूत ढाँचे का विकास।
- प्रशिक्षित मानव संसाधन को बढ़ाना
- तकनीकि वस्त्रों के निर्यात को बढ़ावा देना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में इस क्षेत्र के संदर्भ में चुनौतियाँ -

(1) प्रशिक्षित मानव संसाधन का अभाव

(2) बुनियादी ढाँचे का अभाव

(3) इ-वेस्ट इयूटी संरचना का होना

(4) अनुसंधान तथा विकास में कम बजटीय आवंटन।

(5) इंडस्ट्री - अकेडमिया लिंक का न होना

(6) भारतीय वस्त्र निर्यात में सभी की तकनीकी वस्त्र निर्यात का हिस्सा कम है।

(7) बांग्लादेश जैसे वस्त्र निर्यातकों से मिलने वाली चुनौती।

(8) आयातित तकनीक पर निर्भरता।

(9) एकीकृत कल्प संरचना का अभाव,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सरकार के प्रयास

(1) राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन

(2) RoDTEP योजना - निर्यात प्रोत्साहन,

(3) इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को समाप्त करना।

(4) PM-MITRA पार्क के तहत भी तकनीकी वस्त्रों को बढ़ाना।

(5) PLI योजना का इस क्षेत्र में भी संचालन।

अतः यह कहा जा सकता है वस्त्र क्षेत्र एक रोजगार गहन क्षेत्र है जहाँ स्वचालिता, निर्यात इत्यादि को बढ़ाता दिया जाना चाहिए।

16. ट्रांस-फैट क्या हैं? इनसे संबद्ध स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर चर्चा कीजिये और बताइये कि इनके उपभोग को सीमित करने के लिये कौन-से कदम उठाए जा रहे हैं? (250 शब्द) 15

What are Trans-fats? Discuss the health concerns associated with them and what steps are being taken to limit their consumption? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ट्रांस फैट, वसा का एक प्रकार है जिसमें दो कार्बन के मध्य दोहरा या तीसरा बंध पाया जाता है। उदा० -

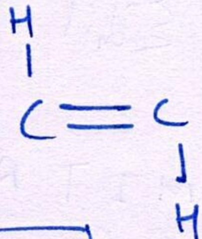

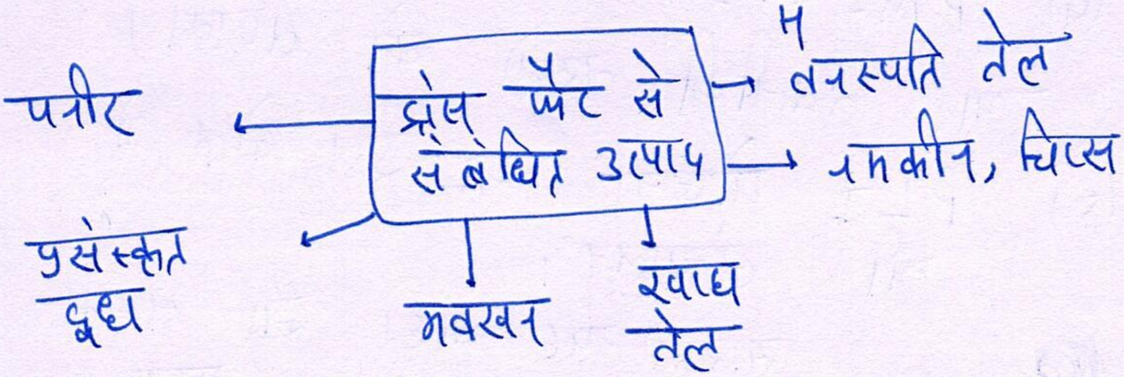

ट्रांस फैट का निर्माण

(1) यह कुछ उत्पादों में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है लेकिन अधिकांश उत्पादों में यह कृत्रिम रूप से पाया जाता है।

(2) यह असंतृप्त वसा को संतृप्त करने की प्रक्रिया में उत्पन्न होता है,

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं

(1) खराब कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा

(2) हृदय घात के खतरे बढ़ते हैं।

(3) हालिया समय में जंक फूड उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति भी ट्रांस फैट संबंधी चिंताओं को बढ़ावा दे रही है।

सरकार के कदम

(1) वर्ष 2030 तक ट्रांसफैट को विमुक्त करने का लक्ष्य।

(2) खाद्य पदार्थों के संदर्भ में स्पष्ट मानकों का निर्माण।
उदा० FSSAI द्वारा ट्रांसफैट संबंधी मानक।

(3) अंतर्राष्ट्रीय प्रयास – WHO का GLASS कार्यक्रम

(4) जागरूकता – 'ईट राइट मूवमेंट'

drishti | दृष्टि The Vision

इस तरह यह स्पष्ट है कि
ग्रोसफ्लैट वर्तमान खाद्य प्रवृत्तियों में
एक प्रमुख समस्या है जिसका
निपटान आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

17. भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की व्यापकता एवं महत्त्व पर विस्तृत चर्चा कीजिये। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की चुनौतियों को संबोधित करने के लिये भारत सरकार द्वारा कौन-से नीतिगत उपाय किये गए हैं? (250 शब्द) 15

Elaborate the scope and significance of the food processing industry in India. What are the policy measures taken by the government of India to meet the challenges of the food processing sector. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के अंतर्गत निम्न गतिविधियां शामिल की जाती है - (1) प्राथमिक उत्पादों को मूल्य वर्धित उत्पादों में रूपांतरण। प्रसंस्करण
(2) पैकेजिंग तथा अन्य उपाय,

भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग अत्यंत विकसित है जिसके महत्व तथा व्यापकता को निम्न रूप में देखा जा सकता है -

(1) GDP में 6% की भागीदारी
(2) कुल निर्यातों में 10% की भागीदारी
(3) रोजगार { प्रत्यक्ष → 10 मिलियन लोगों को; अप्रत्यक्ष → कृषि + पशुपालन }
(4) कृषकों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करता है।
(5) कृषि वस्तुओं की बर्बादी को रोकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

(6) कुल औद्योगिक निवेश में 10%
की भागीदारी।

व्यापकता

(1) शहरी क्षेत्रों के साथ - साथ - ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुटीर उद्योगों के रूप में।

(2) लगभग पूरे भारत में हर क्षेत्र में यह क्षेत्र विकसित है।

चुनौतियाँ

(1) अपस्ट्रीम तथा डाउनस्ट्रीम सप्लाई चेन नेटवर्क से जुड़ी समस्या।

(2) किसानों द्वारा उत्पादित माल की गुणवत्ता का कमजोर होना।

(3) विपणन के लिए अनौपचारिक क्षेत्र पर निर्भरता।

(4) यह क्षेत्र 85% अनौपचारिकता के साथ संचालित है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) उन्नत तकनीक तक पहुँच का अभाव।
(6) संस्थागत वित्त तक पहुँच का अभाव
(7) ब्रांडिग तथा विपणन चुनौतियाँ।

सरकार के प्रयास

- मेगा फूड पार्क योजना
- PM किसान संपदा योजना
- PM - खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण योजना।

सार यह है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग रोजगार, कृषि के विकास, समन्वित ग्रामीण विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्व रखता है अतः इसके विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

18. हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन की बढ़ती घटनाओं के पश्च में निहित कारणों और उनके संभावित प्रभावों पर विचार कीजिये। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिये अपनाई जा सकने वाली संवहनीय शमन कार्यनीतियों के सुझाव प्रदान कीजिये।

(250 शब्द) 15

Examine the reasons behind the rising occurrence of landslides in the Himalayan region and their potential impacts. Suggest sustainable mitigation strategies that could be adopted to tackle this escalating issue.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूस्खलन वह प्रक्रिया है जिसमें चट्टानी खंड, पत्थर, मलबा, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में ढाल के सहारे सरकते हैं। हिमालयी क्षेत्र, पश्चिमी घाट तथा पूर्वोत्तर की पहाड़ियाँ इसके प्रति अत्यंत सुभेद्य हैं।

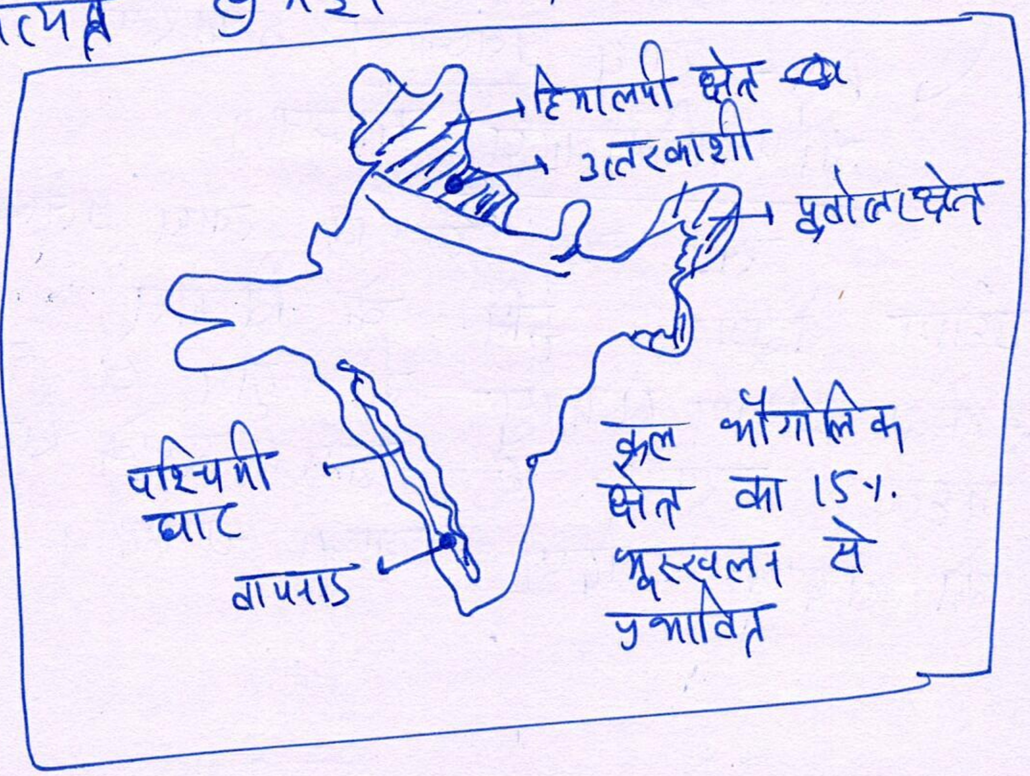

drishti | दृष्टि The Vision

कारण

(1) तीव्र ढाल
(2) बादल फटना, अत्यधिक वर्षा की घटना,
(3) GLOF (हिमनदीय झीलों का फटना,
(4) अनियोजित विकासात्मक कार्य
 ↳ उदा० – चारधाम हाईवे
 ↳ NTPC के प्रोजेक्ट
(5) शहरीकरण के कारण पर्वतों के गुरुत्वीय ढाल का सिफ्ट होना
(6) विकास कार्यों में मानकों का पालन जैसे- पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन तथा भवन संहिता 2010 का पालन न करना, → उदा० – जोशीमठ त्रासदी
(7) असंधारणीय पर्यटन → आधारभूत ढांचा (T)
(8) PTT के अनुसार हिमालय विश्व की एक युवा पर्वत है
 ↓
 इंडियन प्लेट ⇌ यूरेशियन प्लेट का अभिसरण अभी भी हो रहा है,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रभाव →
- जान माल की हानि
- स्थलरूपों का परिवर्तन होना
- आधारभूत अवसंरचना का विनाश
- व्यापक बजटीय व्यय
- जनता की मनोदशा पर दूरगामी प्रभाव

शमन कार्यनीतियाँ

(1) विकास कार्य तथा पर्यावरण संरक्षण में एक संतुलन स्थापित करना।

(2) अवसंरचना विकास के दौरान पर्याप्त रक्षोपायों तथा मानकों का पालन करना
उदा० → केंद्रीय भवन निर्माण संहिता 2016 का पालन

(3) तकनीक का प्रयोग - उदा० धारक भित्तियों का निर्माण

(4) सड़कों को धातुओं की परत से ढका जा सकता है।
उदा० जापान के अग्रणी प्रयोग।

(5) लोगों को प्रशिक्षण ~~से~~ विकास

(6) प्रशासनिक क्षमता का प्रशिक्षण
उदा० NDRF, SDRF का प्रशिक्षण

इन उपायों से भूस्खलन की आवृत्ति तथा प्रभावों को कम किया जा सकता है।

19. सीमा-पार घुसपैठ के प्रति सुभेद्यता को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्रोह की लगातार **घटनाओं** के पश्च में निहित प्राथमिक कारण माना जा सकता है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Vulnerability to cross border infiltration can be termed as the primary re**ason behin**d frequent insurgencies in North-eastern region of India. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सीमा पार घुसपैठ का तात्पर्य है, अवैध रूप से अन्य देशों के नागरिकों द्वारा भारत में प्रवेश करना। भारत-बांग्लादेश सीमा इस दृष्टि काफी संवेदनशील है।

→ एक अनुमान के मुताबिक भारत में करीब 1.5 मिलियन अवैध प्रवासी रहते हैं, (IB रिपोर्ट)

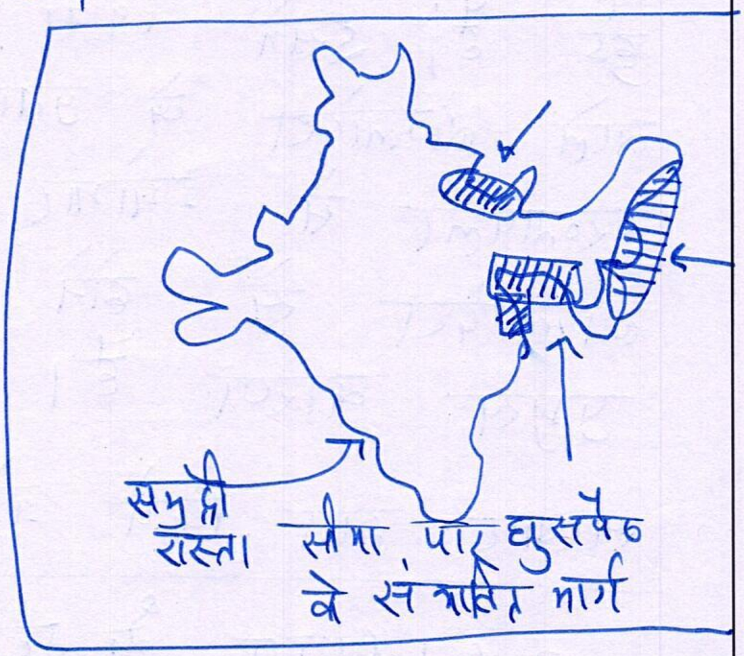

सीमा पार घुसपैठ के प्रभाव -

(1) स्थानीय लोगों की संस्कृति पर कुप्रभाव,

(2) संसाधनों पर दबाव बढ़ जाता है,

(3) स्थानीय राजनीति प्रभावित होने लगती

drishti | दृष्टि The Vision

है।

(5) अपराध, हिंसा, जनांकिकीय परिवर्तन जैसी घटनाएं।

उपरोक्त कारणों के सम्मिलित ज्ञाताधीन ही पूर्वोत्तर के क्षेत्र में विद्रोह की घटनाएं हुई हैं, इसमें 1971 के बाद होने वाले बांग्लादेश के प्रवास, हालिया म्यांमार से तथा तत्पश्चात बांग्लादेश से होने वाला प्रवास प्रमुख कारण है।

सरकार द्वारा किये गये उपाय

(1) BOLD QUIT के तहत बांग्लादेश-भारत की सीमा को आधुनिकीकृत करना

(2) फेंसिंग को स्मार्ट बनाना, CCTV, ड्रोन का उपयोग,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3) BSF का आधुनिकीकरण करना।

(4) म्यांमार से हुई FMR व्यवस्था को अब बंद कर दिया गया है।

(5) नागरिकता संशोधन अधि० 2019

(6) राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर।

(7) बांग्लादेश तथा म्यांमार की सरकारें के साथ सहयोग।

कुल मिलाकर, सार यह है कि सीमा पार घुसपैठ भारत की आंतरिक सुरक्षा विशेषतः पूर्वोत्तर की सुरक्षा, शांति के लिए एक बड़ा खतरा है। जिसका समाधान वर्तमान की आवश्यकता बन चुका है।

20. वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) धनशोधन और आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के लिये वैश्विक मानकों के निर्माण को किस प्रकार आकार प्रदान करता है? इसके कार्यकरण को सुदृढ़ करने के उपाय संबंधी सुझाव प्रदान कीजिये।

(250 शब्द) 15

In what ways does the Financial Action Task Force (FATF) shape the creation of global standards for combating money laundering and terrorist financing? Suggest measures to strengthen its functioning.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

FATF एक वैश्विक संस्था है जो धनशोधन तथा आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने का कार्य करती है। इसका कार्यालय OECD के पेरिस कार्यालय में है और भारत भी इसका एक सक्रिय सदस्य है।

FATF द्वारा धनशोधन तथा आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने में भूमिका

(1) ब्लैक लिस्ट, ग्रे लिस्ट के माध्यम से देशों के आचरण को नियमित करना। ईरान, उत्तरी कोरिया - ब्लैक लिस्ट [3410]

(2) देशों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देना।

(3) देशों को कानून निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना।

drishti | दृष्टि The Vision

उपाय - भारत का PMLA 2002.

(4) धनशोधन को रोकने हेतु नई पद्धतियों के विकास हेतु अनुसंधान एवं विकास करना।

(8) सुदृढ़ीकरण हेतु उपाय -

(1) विकसित राष्ट्रों के प्रभाव को सीमित करने हेतु इसके वित्तीयन की व्यवस्था को पारदर्शी तथा समावेशी बनाना।

(2) स्वतंत्र कार्यालय स्थापित करना।

(3) R&D हेतु बजटीय आवंटन,

(4) विभिन्न एजेंसियों से सहयोग को बढ़ाना,

(5) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर बल,

(6) कार्यक्षेत्र का विस्तार करना,

इन हस्तक्षेपों के साथ FATF की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)